BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

PRINT MEDIA COVERAGE ON B.R.A.BIHAR UNIVERSITY NEWS

COMPILED BY MEDIA CELL (17.10.2024)

PRABHAT KHABAR, MUZAFFARPUR, DATE : 17.10.2024, PAGE-04

उद्यमिता व स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए विवि ने की पहल

बीआरएबीयू : इंक्यूवेशन सेंटर में तैयार करेंगे फ्लोर क्लीनर

- रसायनशास्त्र विभाग में बनाया गया है इंक्यूवेशन सेंटर, तैयारी में जुटा विश्वविद्यालय

वरीय संवाददाता, मुजफ्फरपुर

बीआरएबीयू ने रिसर्च एंड इनोवेशन की दिशा में पहल की है. विवि ने इंक्यूवेशन सेंटर में अपना प्रोडक्ट तैयार करने व विश्वविद्यालय के विभागों में ही उसे ट्रायल के तौर पर उपयोग करने की योजना बनायी है. ट्रायल सफल होने पर उस प्रोडक्ट को बाजार में भी उतारा जाएगा. इससे न सिर्फ विवि को कम खर्च में अपने से तैयार किया प्रोडक्ट मिलेगा, बल्कि बाजार में प्रोडक्ट के उतरने पर उससे आमद भी होगी. छात्र-छात्राओं को इस दौरान इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग भी दी जाएगी. स्टार्टअप और स्वरोजगार को बढ़ावा देने में यह इंक्यूवेशन सेंटर अहम भूमिका निभाएगा. विवि के पीजी रसायनशास्त्र विभाग में इंक्यूवेशन सेंटर की शुरुआत की जाएगी. यहां सबसे पहले फ्लोर क्लीनर तैयार किया जाएगा. विवि के विभिन्न विभागों और प्रशासनिक भवन में इस प्रोडक्ट का उपयोग कर उसकी गुणवत्ता देखी जाएगी. यहां से प्रयोग सफल होने पर अधिक मात्रा में इसका उत्पादन कर बाजार में उतारा जाएगा. विवि में इस प्रकार की पहल का लाभ नैक मूल्यांकन में भी मिलेगा. एक तो विद्यार्थियों को इंडस्ट्रियल प्रशिक्षण के लिए बाहर नहीं जाना होगा, वहीं यहां उत्पादन अधिक मात्रा में शुरू होने की स्थिति में रोजगार के भी अवसर मिलेंगे. विवि की ओर से गठित इंक्यूवेशन सेल अन्य उत्पादों की भी सूची तैयार कर रहा है जिसका शुरुआत में कम लागत में उत्पादन की उसकी गुणवत्ता जांची जाएगी. प्रयोग सफल होने पर उसे बाजार में उतारेंगे.

एमओयू वाले संस्थानों से भी मिलेगा सहयोग

इंक्यूवेशन सेंटर को स्थापित करने में बीआरएबीयू अन्य संस्थानों से भी मदद लेगा. इसको लेकर जिन विश्वविद्यालयों के साथ बीआरएबीयू का करार हुआ है, उनमें जिन संस्थानों में यह प्रयोग पहले हुआ होगा, वहां के विशेषज्ञों की मदद भी ली जाएगी. विवि के इंक्यूवेशन सेल ने इसको लेकर कार्ययोजना तैयार की है.

एनआइटी पटना के साथ बीआरएबीयू का करार

मुजफ्फरपुर. बीआरएबीयू व राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के बीच एकेडमिक मुद्दों को लेकर करार हुआ है. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो पीके जैन व बीआरएबीयू के कुलपति प्रो दिनेश चंद्र राय ने हस्ताक्षर किये. प्रो राय ने कहा कि शोध एवं अकादमिक गतिविधियों में परस्पर सहयोग, क्षमता निर्माण, शिक्षक व विद्यार्थी के मध्य सहयोग, सेमिनार, कार्यशाला, पुस्तकालय, करिकुलम विकास आदि में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के साथ सहयोग पर सहमति बनी है. प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो पीके जैन ने कहा कि इस समझौते से दोनों संस्थान के विद्यार्थियों, शोधार्थियों व प्राध्यापकों के मध्य शोध व अध्ययन की दिशा में सहयोग के रास्ते खुलेंगे. इस समझौते के साथ ही विवि के लगभग तीन दर्जन से अधिक विश्वविद्यालयों संग एमओयू हो चुका है.

- खबर वेबसाइट पर पढ़ने के लिए क्यूआर कोड स्कैन कर सकते हैं.

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE:17.10.2024, PAGE-08

बीआरएबीयू और एनआईटी के बीच एमओयू

मुजफ्फरपुर। बीआरएबीयू और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के बीच बुधवार को एमओयू किया गया है। एमओयू पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक प्रो. पीके जैन व बीआरएबीयू की तरफ से कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने इस्ताक्षर किये। प्रो. राय ने कहा कि इस एमओयू के अंतर्गत शोध एवं अकादमिक गतिविधियों में परस्पर सहयोग, क्षमता निर्माण, शिक्षक एवं विद्यार्थी के मध्य सहयोग, सेमिनार, कार्यशाला, पुस्तकालय, करिकुलम विकास आदि में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान के साथ सहयोग पर सहमति बनी है।

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR, DATE : 17.10.2024, PAGE-08

बीआरएबीयू | समर्थ पोर्टल पर विश्वविद्यालयों का रोज डाला जाएगा ब्योरा, किस कक्षा में कितने छात्र आए, कितने नामांकित सब दिखेगा

कक्षा की रूटीन से लेकर उपस्थिति तक होगी ऑनलाइन

मुजफ्फरपुर, प्रसं। बीआरएबीयू समेत सभी विश्वविद्यालयों में कक्षा की रूटीन से ले छात्रों की उपस्थिति तक ऑनलाइन होगी। विवि में जल्द ही समर्थ पोर्टल से कामकाज होंगे, इसके लिए बीआरएबीयू समेत सभी विश्वविद्यालयों में नोडल और टीम बनाई गई है। बीआरएबीयू में प्रो. रामकुमार को समर्थ पोर्टल का नोडल बनाया गया है। पोर्टल पर यह अपलोड किया जाएगा कि कक्षा में किस दिन कितने छात्र आए व कितने छात्र कक्षा में पढ़ते हैं। समर्थ पोर्टल के नोडल प्रो. रामकुमार ने बताया कि पोर्टल विवि को ऑनलाइन करने की प्रक्रिया है। [illegible]

शिक्षकों को रोज अपलोड करना होगा डाटा

समर्थ पोर्टल में शिक्षकों को रोज कक्षा की उपस्थिति अपलोड करनी होगी। इसके अलावा उन्हें यह भी बताना होगा कि कक्षा में किस दिन कौन सा अध्याय पढ़ाया गया। रूटीन के अनुसार कक्षा में पढ़ाई हो रही है या नहीं, इसकी पूरी जानकारी पोर्टल पर अपलोड करनी होगी। पोर्टल में अपलोड करने के बाद विश्वविद्यालयों में पढ़ाई-लिखाई की निगरानी सरकार और राजभवन रख सकेगी।

डाटा भी रहेगा ऑनलाइन

समर्थ पोर्टल पर परीक्षा और रिजल्ट के सभी डाटा ऑनलाइन रहेंगे। अगर किसी छात्र का रिजल्ट पेंडिंग है तो उसका पता एक क्लिक में चल जाएगा। छात्रों को रिजल्ट सुधार कराने के लिए विवि के चक्कर नहीं काटने होंगे।

तरह से ऑनलाइन हो जाएगा। इसके तहत शिक्षकों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा।

समर्थ पोर्टल में हैं 40 मॉड्यूल: पोर्टल के नोडल प्रो. रामकुमार ने बताया कि समर्थ पोर्टल में 40 मॉड्यूल हैं, लेकिन शुरुआती दौर में [illegible] जाएंगे। शिक्षकों और छात्रों का पूरा ब्योरा पोर्टल पर अपलोड किया जाएगा। नोडल ने बताया कि समर्थ पोर्टल एक तरह से ई-गवर्नेंस की तरह है। बीआरएबीयू में अभी परीक्षा, नामांकन और शिक्षकों का वेतन ऑनलाइन हुआ है। इस पोर्टल के आने के बाद सभी चीजें ऑनलाइन हो जाएंगी।

छात्रों को मिलेगा यूजर आईडी: समर्थ पोर्टल के लागू होने के बाद छात्रों को भी एक यूजर आईडी दिया जाएगा। इस यूजर आईडी से वह अपने आवेदन को देख सकेंगे। अगर छात्र ने आरटीआई लगाई है और [illegible] भी वह ऑनलाइन देख सकेंगे। इसके अलावा कौन सी फाइल कहां है, यह भी कोई भी कर्मचारी ऑनलाइन देख सकेंगे। शिक्षक अपनी छुट्टी का आवेदन भी ऑनलाइन ही भरेंगे। शिक्षकों के पास कितनी छुट्टियां बची हैं यह भी ऑनलाइन देखा जा सकेगा।

HINDUSTAN, MUZAFFARPUR
DATE : 17.10.2024, PAGE-08

चांसलर कप : बीआरएबीयू मेंस व वीमेंस टीम ने जीते मैच

मुजफ्फरपुर, खेल संवाददाता। पटना के पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे इंटर यूनिवर्सिटी चांसलर कबड्डी कप में बीआरएबीयू की गर्ल्स कबड्डी टीम ने तिलकामांझी भागलपुर विवि को कड़े मुकाबले में 25-21 से पराजित कर अगले चक्र में प्रवेश किया। बीआरएबीयू की कप्तान चंदा कुमारी इस मैच की बेस्ट रेडर बनी।

बीआरएबीयू की मेंस टीम ने ग्रुप-ई के पहले मैच में महात्मा गांधी केंद्रीय यूनिवर्सिटी, मोतिहारी को सीधे मुकाबले में 37- 9 अंक से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। इस मैच के बेस्ट रेडर अभिषेक कुमार तथा बेस्ट कैचर आयुष कुमार रहे। बीआरएबीयू टीम के मैनेजर महेंद्र प्रसाद ने बताया कि गुरुवार को मेंस कैटेगरी में

- मेंस टीम ने महात्मा गांधी केन्द्रीय विवि को हराया
- वीमेंस टीम ने तिलका मांझी विवि को दी शिकस्त

बीआरएबीयू टीम का मुकाबला वीर कुंवर सिंह यूनिवर्सिटी, आरा से और वीमेंस कैटेगरी में बीआरएबीयू का मैच महात्मा गांधी केंद्रीय यूनिवर्सिटी, मोतिहारी से होगा। बीआरएबीयू स्पोर्ट्स कौंसिल के सचिव डॉ. कांतेश कुमार, कौंसिल के सलाहकार पूर्व नेशनल एथलीट डॉ. संजय सिन्हा, आरडीएस कॉलेज के खेल निदेशक रविशंकर कुमार व जिला कबड्डी एसोसिएशन के सचिव विनोद गुप्ता ने जीत पर खिलाड़ियों को बधाई दी है।

DAINIK BHASKAR, MUZAFFARPUR
DATE : 17.10.2024, PAGE-06

बनी सहमति : बीआरएबीयू और एनआईटी पटना के बीच एमओयू

मुजफ्फरपुर | बीआरएबीयू व एनआईटी पटना के बीच एमओयू (समझौता ज्ञापन) किया गया है। एमओयू पर एनआईटी के निदेशक प्रो. पीके जैन और बीआरएबीयू के कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने हस्ताक्षर किए। कुलपति ने कहा कि इसके तहत दोनों संस्थानों के बीच शोध एवं अकादमिक गतिविधियों, क्षमता निर्माण, शिक्षक व विद्यार्थी के बीच, सेमिनार, कार्यशाला, पुस्तकालय व करिकुलम विकास आदि में सहयोग पर सहमति बनी है। एनआईटी के निदेशक ने कहा कि इस समझौते से दोनों संस्थान के विद्यार्थियों, शोधार्थियों व प्राध्यापकों के बीच शोध और अध्ययन की दिशा में सहयोग के रास्ते खुलेंगे। बता दें कि बीआरएबीयू का लगभग तीन दर्जन से अधिक विश्वविद्यालयों के साथ एमओयू हो चुका है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

VISHWA GURU BHARA, MUZAFFARPUR, DATE : 17.10.2024, PAGE -03

बाबासाहेब भीमराव अम्बेद कर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर एवं राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के मध्य MoU किया गया है

मदन मोहन ठाकुर (बिहार ब्यूरो चीफ, विश्व गुरु भारत)

मुजफ्फरपुर। बाबासाहेब भीमराव अम्बेद कर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर एवं राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के मध्य MoU किया गया है। MoU पर राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के निदेशक प्रो. पी.के. जैन एवं बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर की तरफ से कुलपति प्रो. दिनेश चंद्र राय ने हस्ताक्षर किया. प्रो. राय ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इस MoU के अंतर्गत शोध एवं अकाद मिक गतिविधियों में परस्पर सहयोग, क्षमता निर्माण, शिक्षक एवं विद्यार्थी के मध्य सहयोग, सेमिनार, कार्यशाला, पुस्तकालय, करिकुलम विकास आदि में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के साथ सहयोग पर सहमति बनी है. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के निदेशक प्रो.पी.के.जैन ने कहा कि इस समझौते से दोनों संस्थान के विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं प्राध्यापकों के मध्य शोध और अध्ययन की दिशा में सहयोग के रास्ते खुलेंगे. इस समझौता के साथ ही विश्व विद्यालय का लगभग तीन दर्जन से अधिक विश्व विद्यालयों के साथ MoU हो चुका है।

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR
DATE: 17.10.2024, PAGE-04

विश्वविद्यालय ने किया एनआइटी से एमओयू

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर : बीआरए बिहार विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना के साथ एमओयू किया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डीसी राय और एनआइटी पटना के निदेशक प्रो. पीके जैन के बीच बुधवार को करार पर हस्ताक्षर किया गया। कुलपति प्रो. डीसी राय ने कहा कि शोध व अकादमिक गतिविधियों, क्षमता निर्माण, शिक्षक व विद्यार्थी के मध्य सहयोग, सेमिनार, कार्यशाला, पुस्तकालय, करिकुलम विकास आदि में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, पटना के साथ सहयोग पर सहमति बनी है।

BABASAHEB BHIMRAO AMBEDKAR

BIHAR UNIVERSITY, MUZAFFARPUR

PIN-842001 (BIHAR)

Website:-www.brabu.net

DAINIK JAGRAN, MUZAFFARPUR, DATE : 17.10.2024, PAGE-04

विश्वविद्यालय तैयार करेगा फ्लोर क्लीनर

इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर में होगा निर्माण **बाजार में** उतारा जाएगा प्रोडक्ट

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर में फ्लोर क्लीनर तैयार किया जाएगा। इसकी जांच विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन से लेकर पीजी विभागों की सफाई में की जाएगी। अगर ट्रायल के तौर पर इसके बेहतर परिणाम मिलते हैं तो इसे बेहतर प्रोडक्ट के रूप में विकसित करते हुए बाजार में उतारा जाएगा। फ्लोर क्लीनर की गुणवत्ता को बेहतर करते हुए इसका प्रोडक्शन भी शुरू किया जाएगा। साथ ही स्थानीय बाजार में भी इसे उपलब्ध कराते हुए विश्वविद्यालय इससे अपनी आय बढ़ाएगा। आने वाले दिनों में और भी नए प्रोडक्ट बनाए जाने की योजना है।

रसायनशास्त्र विभाग में विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेंटर की शुरुआत की गई है। फ्लोर क्लीनर का ट्रायल सफल होने पर विश्वविद्यालय समेत पीजी विभागों में फर्श की सफाई के लिए अलग से किसी भी प्रोडक्ट की खरीदारी करने की जरूरत नहीं होगी। दूसरी ओर नैक मूल्यांकन में भी इसे विश्वविद्यालय के बिजनेस माडल के तहत प्रदर्शित किया जा सकेगा। इसका भी मूल्यांकन में प्वाइंट मिलेगा। पीजी रसायनशास्त्र विभाग में इस दिशा में प्रयास शुरू हो गया है। पीजी के छात्र-छात्राओं से लेकर रिसर्च स्कालर की सहायता से इसे आगे बढ़ाए जाने की योजना है। इनोवेशन सेंटर के तहत विद्यार्थियों को आने वाले दिनों में इंडस्ट्रियल विजिट भी कराया जाएगा। साथ ही अगर जरूरत पड़ी तो उन्हें प्रशिक्षण भी दिलाए जाने की योजना है। विश्वविद्यालय के इनक्यूबेशन एंड इनोवेशन सेल के लिए कुल आठ सदस्यों की टीम बनाई गई थी।

विश्वविद्यालय के पीजी रसायनशास्त्र विभाग में इंक्यूबेशन सेंटर की शुरुआत की जाएगी. यहां सबसे पहले फ्लोर क्लीनर तैयार किया जाएगा. विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों और प्रशासनिक भवन में इस प्रोडक्ट का उपयोग कर उसकी गुणवत्ता देखी जाएगी. साथ ही यहां से प्रयोग सफल होने पर अधिक मात्रा में इसका उत्पादन कर बाजार में उतारा जाएगा.

- विश्वविद्यालय पीजी रसायनशास्त्र विभाग में शुरू हुई प्रक्रिया
- पीजी विभागों की साफ-सफाई में पहले किया जाएगा इस्तेमाल

अगले महीने तक विश्वविद्यालय को मिल जाएंगे अर्थशास्त्र के 53 सहायक प्राध्यापक

बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग की ओर से भेजी गई सूची के आधार पर होगी अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग प्रक्रिया

जागरण संवाददाता, मुजफ्फरपुर: बीआरए बिहार विश्वविद्यालय को अगले महीने तक अर्थशास्त्र के 53 सहायक प्राध्यापक मिल जाएंगे। बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग की ओर से भेजी गई अनुशंसा के आधार पर अब इन अभ्यर्थियों की काउंसलिंग विश्वविद्यालय स्तर पर कराई जाएगी। शैक्षणिक समेत अन्य दस्तावेजों के वेरिफिकेशन के बाद उनकी नियुक्ति और पदस्थापन किया जाएगा। इसको लेकर विश्वविद्यालय की ओर से अधिसूचना जारी की गई है। अर्थशास्त्र के 53 अभ्यर्थियों की सूची प्रकाशित करते हुए उन्हें बताया गया है कि 23 और 24 अक्टूबर को विश्वविद्यालय के ओल्ड गेस्ट हाउस में अभ्यर्थियों की काउंसिलिंग होगी। इसमें उन्हें अपने साथ कुल 16 प्रकार के दस्तावेज साथ लाने होंगे। प्रमाण पत्रों की जांच के बाद विश्वविद्यालय की ओर से उनकी नियुक्ति पीजी विभाग और विभिन्न कालेजों में रिक्त सीटों के आधार पर की जाएगी। वहीं विश्वविद्यालय की ओर से योगदान को लेकर जारी अधिसूचना के अनुसार उन्हें कालेजों में योगदान देना होगा। ऐसा नहीं करने पर उनकी नियुक्ति समाप्त कर दी जाएगी। अभ्यर्थियों को अपने साथ तमाम शैक्षणिक दस्तावेजों के साथ दो पासपोर्ट साइज फोटो भी साथ में लाना अनिवार्य है। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय को दर्शनशास्त्र, बांग्ला, उर्दू, मनोविज्ञान और गणित विषय में पहले ही बिहार राज्य विश्वविद्यालय सेवा आयोग की अनुशंसा पर सहायक प्राध्यापकों की नियुक्ति की जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि विश्वविद्यालय के कई कालेजों में अर्थशास्त्र में नियमित शिक्षकों की कमी है। दूसरी ओर कई कालेज ऐसे भी हैं जहां अर्थशास्त्र के शिक्षक नहीं हैं। ऐसे में नए सहायक प्राध्यापकों के पदस्थापन से छात्र-छात्राओं के पठन-पाठन में काफी सहूलियत होगी। चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के तहत कालेजों में फर्स्ट सेमेस्टर और थर्ड सेमेस्टर के विद्यार्थियों के लिए कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है।